Ay – और बच्चा बढ़ता गया और मजबूत होता गया, वह बुद्धि से भरा
हुआ था और परमेश्वर का अनुग्रह उस पर था लुका २:४० | 1

– Save This Page as a PDF–

और बच्चा बढ़ता गया और मजबूत होता गया, वह बुद्धि से भरा हुआ था और परमेश्वर का अनुग्रह उस पर था

लुका २:४०

खुदाई: येशु कैसे ज्ञान से भरा था? यह कहां से आया? ज्ञान में उस निर्देश का क्या और कब प्रमाण था?

संदर्भ: आप यीशु के ज्ञान से भरे होने का अनुकरण कैसे कर सकते हैं? आपको हर सुबह किसके साथ समय बिताने की ज़रूरत है? क्या दिन का एक और समय है जो आपके लिए बेहतर है? यह कब है? ज्ञान के अलावा, आप इतने शांत समय से और क्या हासिल कर सकते हैं?

क्यूंकि लुका मसीह की मानवता पर ध्यान केंद्रित करता है, इसलिए वह यह रिकॉर्ड करने वाला एकमात्र व्यक्ति है। मरियम ने शायद इसे बाद में अपने जीवन में लुका को बताया। नासरत में बिताए गए कई वर्षों में से, यीशु बचपन से युवावस्था तक, युवावस्था से किशोरावस्था तक, और किशोरावस्था से लेकर मर्दानगी तक गुजरे। यह खंड माता-पिता द्वारा उनकी यहूदी परवरिश को दर्शाता है जो उस दिन के यहूदी विश्वासियों का हिस्सा थे। येशुआ को एक आध्यात्मिक घर में पाला गया जहाँ यूसुफ और मरियम दोनों ही अदोनै के लिए प्रतिबद्ध थे।

तीसरा सुसमाचार अकेले में नोट करता है: और बच्चा बड़ा हो गया और मजबूत हो गया; वह



ज्ञान से भर गया था, और भगवान की कृपा उस पर थी (लूका २:४०)। लगभग दो और बारह की उम्र के बीच, हम यीशु के जीवन के बारे में कुछ नहीं

Ay – और बच्चा बढ़ता गया और मजबूत होता गया, वह बुद्धि से भरा
हुआ था और परमेश्वर का अनुग्रह उस पर था लुका २:४० | 2

जानते हैं। यह एक बयान, हालांकि, उस समय अवधि के दौरान मसीहा के विकास को सारांशित करता है। ल्यूक हमें एक वाक्य में बताता है कि सभी एपोक्रिफ़ल पुस्तकों की तुलना में उनके मूर्खतापूर्ण किंवदंतियों के साथ बच्चे यीशु की चमत्कारी शक्तियों के बारे में हैं।

एक बच्चे के रूप में, प्रभु अभी भी मानव था और उसे पढ़ाने की आवश्यकता थी। निश्चित रूप से यह सीखना संभव नहीं था कि उन्होंने नासरत में अपनी स्कूली शिक्षा से क्या सीखा। कुछ हद तक हम नई वाचा से जो जानते हैं, उससे कम कर सकते हैं। हम जानते हैं कि यीशु को योसेफ और मिरियम दोनों के लिए एक बहुत ही आध्यात्मिक यहूदी घर में लाया गया था, जो उस दिन के विश्वासयोग्य अवशेष का हिस्सा थे। इतना तो येशु को अपने यहूदी, यहूदी दुनिया और शास्त्रों के बारे में पता था कि उनके सौतेले पिता और माँ से आसानी से मिल सकता है। लेकिन यह बारह वर्ष की आयु तक उनके ज्ञान की विशिष्टता को स्पष्ट नहीं करेगा (ल्यूक 2: फर्मवेयर)।

हम यह नहीं मान सकते कि उनका ज्ञान उनके देवता के कारण था, जबकि यह सच है कि वह अभी भी अपने बचपन में भगवान थे, उनकी मानवता में, उन्हें एक ही सीखने के अनुभव से गुजरना पड़ा कि सभी मनुष्यों को गुजरना पड़ता है। उसे अध्ययन और शिक्षा देकर सीखना था। जब उन्होंने मानवता को लिया, तो उन्होंने कुछ चीजों को अलग रखा। जिसका हिस्सा कम से कम कुछ समय के लिए उसकी सर्वज्ञता या अनंत ज्ञान था। पवित्रशास्त्र सिखाता है कि हिज़फादर ने उसे सिखाया।

अदोनाइ एलोहीम ने मुझे अच्छी तरह से सिखाए गए आदमी के रूप में बोलने की क्षमता दी है, ताकि मैं अपने शब्दों के साथ, थके हुए को बनाए रखना जानता हूं। हर सुबह वह मेरे कानों को उन लोगों की तरह सुनता है, जिन्हें पढ़ाया जाता है (यशायाह ५०: ४)। जैसे-जैसे यीशु बड़ा हो रहा था, हर सुबह, अदोनाइ, गॉड फादर, गॉड द सोन को जगाता था, उसे एक तरफ ले जाता था और उसे परमेश्वर के वचन में सिखाना और प्रशिक्षित करना शुरू करता था। येसु को इस जीवन में उनके उद्देश्य के लिए अनुशासित किया जा रहा था। इस तरह वह ज्ञान से भर गया, और ज्ञान प्राप्त किया जो केवल परमेश्वर से आ सकता है। अदोनाइ एलोहिम ने मेरा कान खोल दिया है और मैंने न तो विद्रोह किया और न ही पीछे हट गया (यशायाह ५०: ५)।

जैसा कि उन्होंने अपनी मानवता में महसूस करना शुरू किया कि उनका उद्देश्य पृथ्वी पर क्रूस पर एक स्थानापन्न मृत्यु को प्राप्त करना था, वह विद्रोही नहीं था, बल्कि एक खुले कान रखता था और अपने बुलावे से दूर नहीं हुआ था। जब उसे अपना मिशन पूरा करने का समय आया, तो उसने माफ नहीं किया, लेकिन उसे पूरा करने के लिए अपना चेहरा एक चकमक पत्थर की तरह सेट किया। मैंने अपनी पीठ उन लोगों के लिए अर्पित की जिन्होंने मुझे मारा, मेरे गालों को जिन्होंने मेरी दाढ़ी को तोड़ दिया था; मैंने अपना चेहरा अपमान और थूकने से नहीं छिपाया। अदोनाइ के लिए एलोहिम मदद करेगा। यही कारण है कि कोई भी अपमान मुझे घायल नहीं कर सकता। यही कारण है कि

Ay – और बच्चा बढ़ता गया और मजबूत होता गया, वह बुद्धि से भरा
हुआ था और परमेश्वर का अनुग्रह उस पर था लुका २:४० | 3

मैंने अपना चेहरा चकमक पत्थर की तरह सेट किया है, यह जानकर कि मुझे शर्म नहीं आएगी (यशायाह ५०: ६-) जेबीबी)। उन लोगों के प्रति अपने आप को बचाओ। उसने अपने गाल उन लोगों से दूर करने की कोशिश नहीं की जो अपनी दाढ़ी को बाहर निकालना चाहते थे। उसने थूकने और उसके साथ आने वाली शर्म से अपने चेहरे को छिपाने की कोशिश नहीं की। मेरा वाइंडेटर पास है; जो कोई भी मुझ पर आरोप लगाने की हिम्मत करता है, वह मेरे साथ अदालत में पेश होगा! जो भी मेरे खिलाफ मामला दर्ज करता है उसे आगे बढ़ाएं! देखो, ADONAI एलोहिम मुझे मदद करता है, जो मेरी निंदा करेगा? यहां, वे पुराने, पतंगे खाने वाले कपड़े (यशायाह ५०: ८-९ CJB) की तरह गिर रहे हैं।

यासयाह ५०: ४-९ में कुछ विस्तार से लुका २:४० में जो संक्षेप में प्रस्तुत किया गया था। परमेश्वर के पुत्र, पिता परमेश्वर ने प्रत्येक सुबह विशेष रूप से पिता परमेश्वर के द्वारा सिखाया और अनुशासित किया। परिणामस्वरूप, बारह वर्ष की आयु तक, उन्होंने स्पष्ट रूप से अपने मिशन और अदोनाइ के साथ अपने संबंधों को समझा। हम इस निर्देश के सबूत अगले देखते हैं जब यीशु अपने बार मिट्ज्वा से एक साल पहले मंदिर में रब्बियों को भ्रमित करता है।